



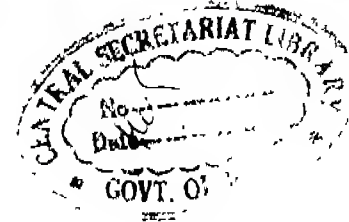
भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY



सं० 388]
No. 388]

नई दिल्ली मंगलवार, जुलाई 9, 1996/आषाढ़ 18, 1918
NEW DELHI, TUESDAY, JULY 9, 1996/ASADHA 18, 1918

पर्यावरण और वन मंत्रालय
अधिसूचना

नई दिल्ली, 9 जुलाई, 1996

जीव जन्तुओं पर प्रयोग (नियंत्रण और पर्यवेक्षण) संशोधन नियम, 1996

का.आ. 486 (अ).—जीव-जन्तुओं पर प्रयोग (नियंत्रण और पर्यवेक्षण) नियम, 1968 का और संशोधन करने के लिए नियमों का निम्नलिखित प्रारूप, जिसे जीव जन्तुओं पर प्रयोगों के नियंत्रण और पर्यवेक्षण के लिए समिति पशुओं के प्रति क्रूरता का निवारण अधिनियम, 1960 (1960 का 59) की धारा 17 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, बनाने का प्रस्ताव करती है, उक्त धारा की अपेक्षानुसार ऐसे सभी व्यक्तियों की जानकारी के लिए प्रकाशित किया जाता है जिनके उससे प्रभावित होने की संभावना है और इसके द्वारा यह सूचना दी जाती है कि उक्त प्रारूप पर, उस तारीख से जिस को उस राजपत्र की प्रतियां जिसमें यह अधिसूचना प्रकाशित की गई है जनता को उपलब्ध करा दी जाएं, तीस दिन की अवधि की समाप्ति पर या उसके पश्चात् विचार किया जाएगा ;

किन्हीं ऐसे आक्षेपों या सुझावों पर जो ऐसी विनिर्दिष्ट अवधि की समाप्ति के पहले उक्त प्रारूप की बाबत किसी व्यक्ति से प्राप्त होंगे, उक्त समिति विचार करेगी ;

आक्षेप या सुझाव, यदि कोई हों, श्री एस. सी. डे, अपर वन महानिरीक्षक (वन्य-जीव), पर्यावरण और वन मंत्रालय, चौथा तल, पर्यावरण भवन, नई दिल्ली-110003, को भेजे जा सकेंगे :—

- (i) इन नियमों का संक्षिप्त नाम जीव जन्तुओं पर प्रयोग (नियंत्रण और पर्यवेक्षण) संशोधन नियम, 1996 है ।
(ii) ये राजपत्र में अंतिम प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे ।
- जीव जन्तुओं पर प्रयोग (नियंत्रण और पर्यवेक्षण) नियम, 1968 में,—
(i) नियम-2 के खंड (ग) का लोप किया जायेगा,
(ii) नियम-4 में,—
(क) खंड (ज) में, 'विद्यालय या' शब्दों का लोप किया जाएगा ।
(ख) खंड (ड) के पश्चात् निम्नलिखित खण्ड अन्तः स्थापित किया जाएगा ; अर्थात् :—

‘(ड) किसी विद्यालय में, जिसके अन्तर्गत उच्चतर माध्यमिक विद्यालय या उसके समतुल्य विद्यालय भी है किसी जीव-जन्तु या वध किए गए किसी जीव जन्तु पर किसी प्रयोग के प्रयोजन के लिए जिसके अन्तर्गत विच्छेदन भी है, नहीं किया जाएगा ।’

[फा. सं. 7-7/94-ए, डब्ल्यू]

सर्वेश्वर झा, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF ENVIRONMENT AND FORESTS

NOTIFICATION

New Delhi, the 9th July, 1996

EXPERIMENT ON ANIMALS (CONTROL AND SUPERVISION) AMENDMENT RULES, 1996

S.O. 486(E).—The following draft rules further to amend the Experiment on Animals (Control and Supervision) Rules, 1968 which the Committee for the Purpose of Controlling and Supervising Experiments on Animals proposes to make, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 17 of the Prevention of Cruelty to Animals Act, 1960 (59 of 1960) is hereby published as required by that section for information of all persons likely to be affected thereby and notice is hereby given that the said draft will be taken into consideration on or after the expiry of a period of thirty days from the date on which the copies of the Official Gazette in which this notification is published, are made available to the public;

Any objection or suggestion which may be received from any person with respect to the said draft before the expiry of the period so specified will be taken into consideration by the said Committee;

Objections or suggestions, if any, may be addressed to Shri S.C. Dey, Additional Inspector General (Wildlife), Ministry of Environment and Forests, 4th Floor, Paryavaran Bhawan, New Delhi-110003.

1. (i) These rules may be called Experiment on Animals (Control and Supervision) Amendment Rules, 1996.
(ii) They shall come into force on the date of their final publication in the Official Gazette.
2. In the Experiment on Animals (Control and Supervision) Rules, 1968,—
 - (i) in rule 2, clause (c) shall be omitted;
 - (ii) in rule 4,—
 - (a) in clause (h) the words "Schools or" shall be omitted
 - (b) after clause (m), the following clause shall be inserted, namely :—
“(n) no experiments including dissection shall be performed on any animal or any animal killed for the purpose in any school including senior secondary school or equivalent.”

[F. No. 7-7/94 AW]

SARWESHWAR JHA, Jt. Secy.